This question paper contains 3 printed pages.

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper: **2369** **HC**

Unique Paper Code : **52051122**

Name of Paper : **M.I.L.; Hindi Bhasha Aur Sahitya : Hindi 'B'**

Name of Course : **B.Com. (Prog.) CBCS**

Semester : **I**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढै बन माहि।
ऐसे घट-घट राम हैं, दुनिया देखे नांहि।।

अथवा

जासु बियोग बिकल पसु ऐसें। प्रजा मातु-पितु जिइहहिं कैसें।।

बरबस राम सुमंत्रु पठाए। सुरसरि तीर आपु तब आए।।
माँगी नाव न केवटु आना। कहइ तुम्हार मरमु मैं जाना।।
चरन कमल रज कहुँ सबु कहई। मानुष करनि मूरि कछु अहई।।

P. T. O.

(ख) साजि चतुरंग-सैन अंग में उमंग धारि, सरजा सिवाजी जंग जीतन चलत हैं।
भूषन भनत नाद-बिहद नगारन के, नदीनद मद गैबरन के रलत हैं।
ऐल पैल खैल भैल खलक में गैल-गैल, गजन की ठैलपैल सैल उसलत हैं।
तारा सो तरनि धूरि धारा में लगत जिमि, थारा पर पारा पारावार यों हलत हैं।

अथवा

बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाइ।
सौह करैं भौंहनु हंसै, दैन कहैं नटि जाइ।

(ग) दीप-शिखा है अंधकार की
घनी घटा की उजियाली।
ऊषा है यह कमल-भृंग की
है पतझड़ की हरियाली।।

अथवा

काट अंध-उर के बंधन-स्तर
बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर;
कलुष-भेद-तम हर प्रकाश भर
जगमग जग कर दे!

10,10,10

2. किसी **एक** का साहित्यिक परिचय दीजिए:

(क) सुभद्राकुमारी चौहान

(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'। 10

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित दोहों में कबीर द्वारा उल्लिखित गुरु के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'केवट-प्रसंग' में वर्णित केवट के चरित्र की विशेषताएँ बताइए। 10

4. भूषण द्वारा वर्णित छत्रपति शिवाजी की सेना की गतिविधियों तथा उनके प्रभावों का उल्लेख कीजिए।

अथवा

बिहारी के काव्य-सौन्दर्य का विश्लेषण कीजिए। 10

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए:

(क) हिन्दी भाषा का परिचय

(ख) आदिकाल का नामकरण

(ग) संत काव्य-धारा

(घ) रीतिकाव्य की विशेषताएँ

(ङ) भारतेन्दु-युगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ

(ण) हिन्दी उपन्यास। 5×3=15